सोमवार
01 जनवरी 2024

पृष्ठ 4
सर्दियों में वर्कआउट या वॉक के दौरान ठंडा या गर्म, कौन सा पानी पीना चाहिए?

पृष्ठ 5
अक्किनेनी नागार्जुन ने हनीमून एक्सप्रेस का फर्स्ट लुक जारी

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 317
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

आपत्तियाँ मनुष्यता की कसौटी हैं। इन पर खरा उतरे बिना कोई भी व्यक्ति सफल नहीं हो सकता।
– पं. रामप्रताप त्रिपाठी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

चालकों की हड़ताल से यात्री परेशान

विशेष संवाददाता

देहरादून। नए परिवहन नियमों को अत्यधिक सख्त किए जाने से देश के वाहन चालकों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि सरकार नए कानून को वापस ले अन्यथा वह आर-पार के आंदोलन पर मजबूर होंगे। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस के आह्वान पर आज से ड्राइवरों ने तीन दिवसीय हड़ताल शुरू कर दी है। चालकों की इस हड़ताल को मोटर तथा ट्रक और तमाम टैक्सी यूनियनों का समर्थन मिलने के कारण इसका व्यापक असर देखा जा रहा है।

ट्रक, बस, टैक्सी, ऑटो और विक्रमों के पहिए थम जाने से यात्रियों और व्यापारियों से लेकर आम आदमी तक को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है रोडवेज की बसों से लेकर ट्रकों व टैक्सियों तथा ऑटो की हड़ताल से हर जगह यात्रियों की भीड़ लगी हुई है तथा उन्हें आगे जाने के लिए कोई साध

●नए कानून के विरोध में देशव्यापी हड़ताल
●ट्रक, बस, टैक्सी, विक्रम और ऑटो सब बंद

न उपलब्ध नहीं है।

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय परिवहन मंत्रालय द्वारा सड़क सुरक्षा के लिए अभी हाल में ही कानून में कुछ बदलाव किए गए थे, जिसके तहत सड़क हादसे में मौत होने की स्थिति में ड्राइवर को 10 साल की सजा और 5 लख रुपए जुर्माना का प्रावधान किया गया है। ड्राइवरों का कहना है कि इस तरह के सख्त कानून के बीच सड़कों पर चलना मुश्किल हो जाएगा। अब तक सड़क दुर्घटनाओं के लिए जो कानून थे उसमें सड़क हादसे के बाद ड्राइवर को तत्काल जमानत मिल जाती थी। लेकिन अब सड़क हादसे में मौत की स्थिति में उसे जमानत नहीं मिल सकती है और अब उसका जेल से बाहर आना भी संभव नहीं है।

चालकों का ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

आबकारी विभाग ने नए साल पर बनाया वनडे लाइसेंस का नया रिकॉर्ड

विशेष संवाददाता

देहरादून। नए साल पर आबकारी विभाग ने 235 वनडे लाइसेंस जारी कर नया कीर्तिमान बना डाला है। यही नहीं वन डे लाइसेंस की प्रक्रिया को पारदर्शी और सरल बनाकर सरकारी राजस्व में जो इजाफा किया है वह तो अलग रहा बाहर से अवैध रूप से आने वाली शराब और अवैध रूप से शराब पिलाने वालों पर सख्ती से लगाम लगाने पर आबकारी विभाग सफल रहा है।

आबकारी कमिश्नर एस.सी. सेमवाल द्वारा इस आशय की जानकारी देते हुए बताया गया कि इस बार नए साल के जश्न के लिए 24 घंटे (वन डे) के लिए रिकॉर्ड 235 लाइसेंस जारी किए गए जो अब तक दिए जाने वाले वन डे लाइसेंस की संख्या में सर्वाधिक है। उन्होंने बताया कि इस साल भले ही वन डे लाइसेंस देने की व्यवस्था ऑनलाइन की गई थी लेकिन इसके साथ ही आबकारी विभाग द्वारा इन लाइसेंसों को लेकर दी ग इ जानकारी के सत्यापन के लिए 7 टीम बनाई गई थी। जिनके द्वारा यह जांच की गई कि जो वन डे लाइसेंस दिया जा रहा है वह पूर्णतया सही है या नहीं। उन्होंने बताया कि इस साल ऐसी कोई धांध ली सामने नहीं आई है कि लाइसेंस धारी ने लाइसेंस घर के नाम लिया हो और उसका उपयोग होटल या रेस्टोरेंट में किया गया हो।

❑अवैध शराब की बिक्री व पीने-पिलाने वालों की टूटी कमर
❑सरकार और आबकारी विभाग की कमाई में हुआ इजाफा

उन्होंने कहा कि सभी लाइसेंसों में 100 प्रतिशत शर्तों का अनुपालन किया गया है। साथ ही व्यापक स्तर पर वन डे लाइसेंस दिए जाने से नए साल पर अवैध रूप से बिना लाइसेंस के शराब परोसने वाले होटल व रेस्टोरेंटों पर लगाम ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

नए साल पर इसरो ने रचा इतिहास, एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह को किया सफलतापूर्वक लांच

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह समेत कुल 11 उपग्रहों को लेकर जा रहे एक पीएसएलवी रॉकेट का सोमवार को यहां लांच किया गया। इसरो का पहला एक्स-रे पोलरिमीटर उपग्रह (एक्सपोसैट) एक्स-रे स्रोत के रहस्यों का पता लगाने और 'ब्लैक होल' की रहस्यमयी दुनिया का अध्ययन करने में मदद करेगा। लॉन्चिंग के लिए 25 घंटे की उलटी गिनती खत्म होने के बाद 44.4 मीटर लंबे रॉकेट ने चेन्नई से करीब 135 किलोमीटर दूर इस अंतरिक्ष तल से उड़ान भरी और इस दौरान बड़ी संख्या में यहां आए लोगों ने जोरदार ढंग से तालियां बजाईं। ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी)-सी58 रॉकेट अपने 60वें अभियान पर प्रमुख पेलोड 'एक्सपोसैट' और 10 अन्य उपग्रह लेकर गया है जिन्हें पृथ्वी की निचली कक्षाओं में स्थापित किया जाएगा। इसरो के अनुसार, यह खगोलीय स्रोतों से एक्स-रे उत्सर्जन का अंतरिक्ष आधारित ध्रुवीकरण माप में अध्ययन करने के लिए अंतरिक्ष एजेंसी का पहला समर्पित वैज्ञानिक उपग्रह है। उसने कहा कि एक्स-रे ध्रुवीकरण का अंतरिक्ष आधारित अध्ययन अंतरराष्ट्रीय रूप से महत्वपूर्ण है और इस संदर्भ में एक्सपोसैक्ट मिशन एक अहम भूमिका निभाएगा।

जापान में आया 7.5 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का अलर्ट जारी

टोक्यो। जापान में नए साल के पहले ही दिन भूकंप के भारी झटके महसूस किए गए हैं। समाचार एजेंसी एपी के मुताबिक, जापान में 7.5 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया है। ये भूकंप नॉर्थ सेंट्रल जापान में महसूस किया गया है। इन भूकंप के झटकों के बाद जापान में सुनामी का अलर्ट जारी किया गया है।

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने इशिकावा, निगाटा और टोयामा प्रान्त के तटीय क्षेत्रों में सुनामी की चेतावनी जारी की है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक मौसम एजेंसी ने भविष्यवाणी की है कि इशिकावा प्रांत में 5 मीटर ऊंची लहरें पहुंच रही हैं।

एनचएके की रिपोर्ट में बताया गया है कि इशिकावा में वाजिमा शहर के तट पर 1 मीटर से ऊंची लहरें उठ रही हैं। जापान में तटीय इलाके में रहने वाले लोगों को जगह खाली कर, ऊंची सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा गया है। प्रशासन के मुताबिक निगाटा और टोयामा में 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

जापान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक पूरे जापान में अभी तक 11 भूकंप दर्ज किए जा चुके हैं। नए साल के दिन आया भूकंप टोक्यो और कांटो इलाके में भी महसूस किया जा चुका है।

एनएचके की रिपोर्ट के अनुसार, होकुरिकु इलेक्ट्रिक पावर ने कहा कि वह अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में किसी भी अनियमितता की जांच कर रहा है। दरअसल जापान में मार्च 2011 में 9 तीव्रता वाले भूकंप के कारण जबर्दस्त सुनामी आई थी। तब उठी सुनामी की लहरों ने फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट को तबाह कर दिया था। इसे पर्यावरण को नुकसान के लिहाज से बड़ी घटना माना गया था। तब समुद्र में उठी 10 मीटर ऊंची लहरों ने कई शहरों में तबाही मचाई थी। इसमें करीब 16 हजार लोगों की मौत हुई थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

सुस्वागतम नव वर्ष

आज जब आप 2023 को अलविदा कह रहे हैं और नव वर्ष 2024 के स्वागत के लिए तत्पर है तब आपके मन में यह सवाल लाजिमी होगा कि बीता वर्ष आपके लिए कैसा रहा? आपने इस वर्ष क्या पाया और क्या कुछ खोया? क्या कुछ ऐसा रहा जो हो सकता था लेकिन हो नहीं सका। यह अच्छी बात है कि आप समय का बही खाता रखना चाहते हैं। समय का हिसाब किताब रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि समय ही सृष्टा भी है और दृष्टा भी है। समय इतिहास का रचयिता भी है और सबका भाग्य विधाता भी समय ही है, समय की सर्वश्रेष्ठता को किसी भी सूरत ए हाल में नकारा नहीं जा सकता है। जो राष्ट्र समाज या मानव मात्र समय के अस्तित्व को नकारते हैं समय भी उन्हें नकार देता है। समय की महत्ता को समझने और समय का सकारात्मक उपयोग करने वालों को ही समय चिरंजीव बने रहने का अवसर देता है शेष सभी कुछ समय के साथ स्वत: ही नष्ट हो जाता है। समय के विलक्षण गुण को समझना थोड़ा मुश्किल जरूर होता है आमतौर पर हम समय के बारे में उतना ही समझ पाते हैं जितना हमें हमारे बड़ों से सुनने या कहने से सीख पाते हैं। जैसे समय किसी का इंतजार नहीं करता या जो समय चला गया हुआ है लौटकर कभी नहीं आता और इसके अगर कुछ आगे तो बस इतना कि कल करे सो आज कर आज करे सो अब पल में परले होगी बहुरि करोगे कब। बस इससे आगे और ज्यादा कुछ बात लोग नहीं जानते या समझते हैं या फिर जानने की जरूरत भी नहीं समझते हैं। अक्सर आपने यह देखा और महसूस भी किया होगा कि हर साल जब भी नया साल आता है तो आप कुछ नए संकल्प और विकल्पों के साथ नए साल की शुरुआत करते हैं। इस साल आप क्या-क्या करना चाहते हैं। अपनी प्राथमिकताओं की सूची तैयार करते हैं और पहले ही दिन से अपने तय लक्ष्य और उद्देश्य के लिए काम करना भी शुरू कर देते हैं। कुछ दिन व कई बार कुछ महीनो तक आप लगातार काम भी करते हैं लेकिन काम पूरा होने से पहले ही कई कारण ऐसे भी उपस्थित हो जाते हैं जब आप और आपका काम दोनों ही रुक जाते हैं और वह काम आप कभी पूरा नहीं कर पाते हैं। सालों साल ही नहीं तमाम उम्र गुजर जाने पर भी इन अधूरे कार्यों को पूरा कर पाने का मौका समय आपको नहीं देता है। कुछ काम ऐसे भी होते हैं जिन्हें आप तय समय से भी कम समय में सिर्फ पूरा ही नहीं कर चुके होते हैं बल्कि खुद आपको भी अपने आप पर गर्व होता है की आप इतना बेहतर कैसे कर पाए? लेकिन ऐसा तभी होता है जब आप अपने संपूर्ण समर्पण भाव के साथ अपने संकल्प प्राप्ति के लक्ष्य में जुटे होते हैं और आपके पास अन्य कोई विकल्प नहीं होता है। काल के कपाल पर यदि आप अपने हस्ताक्षर करने की दृढ़ इच्छा शक्ति रखते हैं तो संपूर्ण सृष्टि आपके काम में आपकी सहायता के लिए तत्पर दिखाई देने लगेगी। तब आपकी इच्छा शक्ति ही ईश्वर की इच्छा शक्ति का रूप ले लेती है जब आपका उद्देश्य पवित्र और जनहित कारी हो तो। ऐसी स्थिति में आप जो भी चाहे कर गुजर सकते हैं। जो बीत चुका है वह व्यर्थ हो चुका है उसे पर हंसने या फिर रोने से अब कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है जो आने वाला है वह आपके सामने खड़ा है। अगर हिम्मत है तो उसे सामने से पकड़ लो और कर दो अपने हस्ताक्षर उस काल के कपाल पर जिसे तुम रोक नहीं सकते और जिसे तुम मोड नहीं सकते। भले ही तुम अपनी मुट्ठियों को चाहे जितना भी भींच लेना लेकिन वह रेत की तरह आपके हाथ से फिसल ही जानी है क्योंकि वह समय है। समय परिवर्तन जिसका सापेक्षिक गुण है जो सब कुछ बदलने की क्षमता रखता है लेकिन खुद कभी नहीं बदलता। लोग जो कहते हैं कि कभी तो समय बदलेगा वह सब झूठ बोलते हैं। क्योंकि सिर्फ समय ही है जो कभी नहीं बदलता इस समय का स्वागत करो। नव वर्ष की मंगल कामनाओं सहित।

मारपीट में दोनों तरफ से आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दोनों तरफ से आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रहमपुरी निवासी रवि कुमार ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि लगभग 11.00 बजे उसके घर पर कामेन्द्र, संकेत, मुनेश, राजू अन्य 02 व्यक्ति और थे जो घर मे घुसे उसके व उसके दोस्त सज्जन व ललित के साथ मारपीट व गाली गलोच की तथा लाण्ठी से मारपीट की जिससे सज्जन के सर चोट आई और ललित का हाथ फेक्चर हो गया तथा मारपिट के समय उनके 10 हजार रूपये भी गायब हो गए। जाते हुए जान से मारने की धमकी देकर गये हैं। वहीं दूसरी तरफ से मुनेश कुमार ने रात्री मे लगभग साढे दस बजे उसके व उसके बहनोई राजू व कामेन्द्र के साथ रवि, सज्जन, रवि ने शिव मन्दिर ब्रहम्पुरी मे मारपीट गाली गलोच की तथा उसके सिर मे डन्डे से वार किया जिससे उसके सिर पे चोट तथा 8 टाकें आए हैं तथा उसके बहनोई राजू के हाथ पर डन्डे से वार किया जिससे उनका हाथ फेक्चर हो गया है दोनों लोगो को बुरी तरह से घायल कर दिया है। पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

खोखले हैं धामी सरकार के भ्रष्टाचार पर चोट करने के दावे: दसौनी

हमारे संवाददाता

देहरादून। धामी सरकार के पिछले दिनों भ्रष्टाचार को लेकर किए गए दावों को उत्तराखंड कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने खोखला बताया।

प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता के दौरान यह बात गरिमा दसौनी द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि यदि सीएम पुष्कर सिंह धामी वाकई उत्तराखंड को भ्रष्टाचार मुक्त करना चाहते तो मुख्यमंत्री बनते ही लोकायुक्त का गठन कर देते। कहा कि जो प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त करने के बड़े-बड़े दावे भारतीय जनता पार्टी की सरकार में किये जा रहे हैं सरकार बताएं कि विधानसभा में बैक डोर नियुक्ति प्रकरण में हुए भ्रष्टाचार पर पर्दा क्यों डाला गया और विभागीय मंत्री पर कोई कार्यवाही क्यों नहीं हुई? कहा कि रानीखेत के भाजपा विधायक द्वारा अधिकारियों के साथ सांठ गांठ कर उद्यान विभाग में करोड़ों के घोटाले को अंजाम दिया गया,फलदार पौधों की खरीद में गड़बड़ियां पाई गई है। विभाग में एक ही दिन में वर्कआर्डर जारी कर उसी दिन जम्मू कश्मीर से पौधे लाना दिखाया है। जिसका भुगतान भी कर दिया गया है। पूरे मामले में वित्तीय व अन्य गड़बड़ियों की सीबीआई या फिर किसी निष्पक्ष एजेंसी से जांच कराने की बात उच्च न्यायालय द्वारा कही गई तो धामी सरकार बताएं कि विभाग अब विधायक और अधिकारियों को बचाने के लिए उच्च न्यायालय के सीबीआई जांच के आदेशों के विरोध में सर्वोच्च न्यायालय जाने की तैयारी क्यों कर रहा है? क्यों धामी सरकार सीबीआई जांच कर दूध का दूध पानी का पानी नहीं हो जाने देना चाहती?

दसौनी ने कहा कि प्रदेश का बहुचर्चित दरोगा भर्ती घोटाले की जांच ठंडे बस्ते में चली गई है। सवाल उठ रहे हैं कि जांच बढ़ नहीं रही या बढ़ाई नहीं जा रही है? दसौनी ने हमला बोलते हुए कहा कि अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, राज्य लोकसेवा आयोग, वन विभाग भर्ती, सहकारिता, शिक्षा विभाग, विधानसभा में नियुक्ति में जिस तरह का घोटाले सामने आये है वह बीजेपी की कथनी और करनी में अंतर को दिखाता है।

दसौनी ने कहा कि जब से राज्य का क्रिकेट संघ अस्तित्व में आया है, तब से वहां पर भ्रष्टाचार व्याप्त है। खिलाड़ियों से टूर्नामेंट में भेजे जाने का लालच दिखा कर भारी रकम वसूली जाती है। दसौनी ने कहा की पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी ने पत्र लिखकर उत्तराखंड सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं. भाजपा सांसद गांधी ने नैनीताल और उधमसिंह नगर जिलों में माइग्रेटरी बर्ड कम्युनिटी रिजर्व की योजना को खनन माफिया के इशारे पर तैयार किया गया प्लान बताते हुए साफ तौर पर मांग की है कि इसे तत्काल निरस्त कर दिया जाए. यही नहीं, चिट्ठी में लोकसभा सदस्य गांधी ने साफ तौर पर आरोप लगाया है कि इसमें उत्तराखंड सरकार के अधिकारियों का खनन माफिया के साथ सीधा गठजोड़ चल रहा है। इस मामले में कथित तौर पर भाजपा के दो बड़े नेताओं के नाम भी सामने आ रहे हैं। दसौनी ने कहा की इतना ही नहीं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने उत्तराखंड के हर विभाग में 20% से अधिक की कमीशन खोरी की बात भी सार्वजनिक तौर पर कही है। ऐसे में सरकार बताएं कि आज प्रदेश में जितने भी अपराध हो रहे हैं उनमें भारतीय जनता पार्टी के ही कार्यकर्ता संलिप्त क्यों पाए जा रहे हैं?

युवक की मौत पर पिता-पत्नी सहित पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। युवक की मौत पर पिता पत्नी सहित पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मन्सूरी बस्ती खैरी अटक फार्म निवासी सुषमा देवी ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके पुत्र गोविन्द की शादी हिन्दू रीति रिवाज से से नन्दनी पुत्री नरेश चन्द निवासी गऊशाला रोड बडी आल शामली उत्तर प्रदेश के साथ 14.नवम्बर 2021 को हुई थी, शादी के बाद से ही नन्दनी उसके पुत्र गोविन्द के साथ पति पत्नी के रिश्ते से नाखुश थी नन्दनी का चरित्र ठीक ना होने के कारण उसका पुत्र गोविन्द मानसिक दबाव में रहने लगा और नन्दनी का पिता नरेश चन्द भाई आशु व आदी पुत्र नरेश सभी गोविन्द पर नाजायज दबाव बनाते हुये उसका मानसिक उत्पीडन करने लगे।

इसी बीच नन्दनी ने उसके पति कटार सिंह से नाजायज सम्बन्ध बना लिये जिस कारण गोविन्द अत्याधिक मानसिक तनाव में रहने लगा, नन्दनी उसके पिता नरेश चन्द व उसके दोनो भाई आशु व आदी तथा उसका पति कटार सिंह सभी मिलकर गोविन्द को मरने के लिये मजबूर करने लगे। 30 जुलाई 2023 को सुबह 9 बजे नन्दनी ने गोविन्द को जहरीला पदार्थ खाने के लिये मजबूर कर दिया उसी दिन करीब आधे घण्टे बाद नन्दनी ने बताया कि गोविन्द ने जहर खा लिया है तभी आनन फानन में वह अपने पुत्र गोविन्द को सुभारती अस्पताल ले गयी और वहाँ भर्ती कराया वहाँ गोविन्द ने उसको बताया कि उसकी पत्नी नन्दनी व उसके पिता नरेश चन्द उसके भाई आशु व आदी तथा उसके पिता कटार सिंह सभी ने मिलकर उसको मरने के लिए मजबूर किया है।

31 जुलाई 2023 को सुबह करीब 4 बजे गोविन्द की मृत्यु हो गयी। न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अंकित सकलानी के मामले में विदेश मंत्री को महिला कांग्रेस ने भेजा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। अंकित सकलानी लापता होने के मामले में महिला कांग्रेस ने क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी के माध्यम से विदेश मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया।

आज यहां महिला कांग्रेस कार्यकर्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशा मनोरमा डोबियाल शर्मा के नेतृत्व में सालावाला स्थित पासपोर्ट कार्यालय पहुंचे जहां पर उन्होंने पासपोर्ट अधिकारी विनय शंकर पाण्डे के माध्यम से विदेश मंत्री को ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन में उन्होने कहा कि उत्तराखंड का एक युवा अंकित सकलानी जो की एक शिप कंपनी में काम करता था के बारे उनके लापता होने का दु:खद समाचार प्राप्त हुआ है। बताया जाता है कि उसने एक दिसंबर 2023 को कंपनी में सेवा देना आरंभ किया था। शिप कंपनी ने अंकित सकलानी के लापता होने का कारण बताते हुए कहा कि अंकित सकलानी ने शिप से समुद्र में छलांग लगा दी और उसका रेस्क्यू किया जा रहा है। अब कंपनी ने दावा किया कि अंकित की डेड बॉडी मिल गई है। उधर नाविक अंकित सकलानी के घरवाले इस बात पर विश्वास करने को तैयार नहीं हैं। अंकित की वायरल हुई फोटो में उसके सर पर चोट के निशान दिख रहे हैं। जो संदेह प्रकट कर रहें है। कंपनी द्वारा जो कारण आत्माहत्या के बताये जा रहें है उस पर विश्वास नहीं किया जा सकता। उन्होने ज्ञापन में अनुरोध किया कि अंकित सकलानी के लापता होने के संबंध संबंधित कंपनी के मुंबई कार्यालय सहित कंपनी के विदेश में स्थित मुख्यालय से स्पष्टीकरण ले अंकित के परिवार को भी उचित सहायता करने को विदेश में दूतावास को भी हस्तक्षेप करने को कहे जिससे परिवार को भी सहयोग मिल सके। वहीं उन्होने ज्ञापन में यह मांग भी कि है कि पहले टर्की सहित विदेश में कार्यरत भारतीयों को कई बार इस तरह के संकट का सामना करना पड़ता है तो उन्हें भारतीय दूतावास व अधिकारियों का उचित सहयोग नहीं मिलता है। क्षेत्रिय पासपोर्ट अधिकारी विनय शंकर पाण्डे ने महिलाओं के प्रतिनिधि मण्डल को आश्वस्त किया कि वह मंत्रालय को ज्ञापन प्रेषित कर देंगे। इस अवसर पर महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष एवं पार्षद उर्मिला थापा, पार्षद मीना बिष्ट, पार्षद सविता सोनकर, पुष्पा पंवार, रेखा डिंगरा, राधा, अनुराधा तिवारी, संगीता शर्मा, मुन्नी देवी, ममता, कविता आदि दर्जनों की संख्या में महिला उपस्थित रही।

नेतन्याहू फंस गए चक्रव्यूह में!

श्रुति व्यास

बेंजामिन नेतन्याहू को देश और विदेश दोनों में कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। युद्ध शुरू हुए 7० दिन बीत चुके हैं, मौतों का आंकड़ा बढ़ रहा है, इजराइल से अगवा किए गए बहुत से लोग अभी भी गाजा में बंधक हैं लेकिन इजराइल के प्रमुख पश्चिमी मित्र राष्ट्र समर्थन देते-देते थक गए है। इनकी आलोचना तीखी होती जा रही है।और विकल्प की तलाश भी हो रही है।

कुछ दिन पहले इजरायली सैनिकों द्वारा बंधकों को मुक्त कराने की बजाए उन्हें मार डालने की घटना से उन लोगों को बल मिला है जिनका तर्क है कि सैन्य अभियान, जिसमें बमबारी और सडऩ्ें पर आमने-सामने की लड़ाई शामिल है, से उन लोगों के लिए खतरा उत्पन्न हो रहा है जो अभी भी अपहरणकर्ताओं के कब्जे में हैं। कुल मिलाकर इजराइल की बदनामी है और हमास की सैन्य ताकत को नष्ट करने का मुख्य लक्ष्य बहुत दूर नजर आता है। गाजा में हमास के प्रमुख याह्या सिनवर और मोहम्मद डिएफ व मरवान इस्सा, जो उसके सैन्य बल के कमांडर हैं, अब भी जिंदा हैं। इसका आंशिक कारण है हमास का सैकड़ों मील लंबी सुरंगों का नेटवर्क, जिसे इजराइल अपनी सैन्य शक्ति और ड्रोन सर्विलांस क्षमताओं के बावजूद तहस-नहस करने में असफल रहा है।

उधर नेतन्याहू की सत्ता पर पकड़ कमजोर हुई है। लेकिन उनका रवैया जस का तस हैवे इजरायली सेना से अपना अभियान तेज करने को कह रहे हैं। इन्होंने आईडीएफ की एक पूरी एयरबोर्न डिवीजन दक्षिणी शहर खान युनुस के अंदर और उसके आसपास तैनात कर दी है, जहां उनके अनुमान के अनुसार हमास के वरिष्ठ नेता छिपे हुए हैं। तीन बख्तरबंद डिवीजनें अभी भी तहस-नहस हो चुके गाजा शहर में सक्रिय हैं। शहर के शुजाहिया और जबालिया इलाकों में भीषण लड़ाई जारी है। आईडीएफ उन सुरंगों को नष्ट कर रहा है, जिनमें हमास के लड़ाके शरण लेते हैं और शहर के अंदर व उसके बाहरी क्षेत्र की सैन्य व नागरिक अधोसंरचना को भी। आईडीएफ ने गाजा शहर के पेलिस्टाइन स्क्वेयर में इजरायली झंडा फहराया और कई ऐसे स्थानों पर हनुक्का मोमबत्तियां जलाईं है जहां लड़ाई हुई थी। लेकिन अभी भी बात बनी नहीं है। वह जीत अब तक हासिल नहीं हो सकी है, जिसकी मांग इजरायली नागरिक अपने नेताओं से कर रहे हैं।

चार बंधकों की मौत के कारण इजरायइल की सरकार पर शेष बंधकों की रिहाई के लिए नए सिरे से बातचीत करने का दबाव बढ़ा है। बंधकों के परिवारजनों के प्रदर्शन बढ़ रहे है और यह माना जा रहा है कि बंधकों की सही-सलामत रिहाई के सम्भावना कम होती जा रही है। ऐसी खबरें आ रही हैं कि बंधकों में से अधिकांश की या तो मौत हो चुकी है या उनकी हत्या कर दी गई है। वाकई उनके लिए समय बीतता जा रहा है। नागरिकों की बढ़ती मौतों से इजरायली आक्रमण के प्रति अंतर्राष्ट्रीय समर्थन पहले से ही घट चुका है। और अब अमरीका, जिसका समर्थन इजराइल के लिए अपरिहार्य है, का रवैया भी ढुलमुल हो रहा है।

ऐसी कई खबरें हैं कि अपनी हालिया यात्रा के दौरान अमरीकी विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने इजरायलियों से कहा कि उन्हें इस साल के अंत तक अपनी कार्यवाही पूर्ण करनी होगी। इस बीच अमरीकी प्रशासन यह मांग भी कर रहा है कि इजराइल, फिलिस्तीनियों की तकलीफें दूर करने की दिशा में और अधिक कार्य करे, विशेषकर दक्षिणी गाजा में। करीब 2० लाख लोग, जो युद्ध के कारण अपने घरों से विस्थापित लोगों के तीन-चौथाई से भी अधिक है, भीड़ भरी जगहों पर समूहों में रह रहे हैं। उन्हें रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजें बहुत कम मात्रा में उपलब्ध हो पा रही हैं और स्वच्छता की कमी के चलते बीमारियों का प्रकोप होने का खतरा है।

इसके अलावा जनाक्रोश भी बढ़ रहा है। बंधकों की हत्या के बाद कई लोग कह रहे हैं कि अब उन्हें न तो नेतन्याहू पर भरोसा है और ना ही उनसे कोई उम्मीद है। एक नेता के रूप में उनकी भूमिका को लेकर गुस्सा है, विशेषकर उनके जिम्मेदारी स्वीकार न करने के रवैये और मृतकों के परिवारों से नहीं मिलने को लेकर। यद्यपि हमास सार्वजनिक रूप से कह चुका है कि बंधकों को लेकर तब तक आगे कोई बातचीत नहीं होगी जब तक इजराइल गाजा पर आक्रमण नहीं रोकता मगर असल में कतर और मिस्र की सहायता से बातचीत जारी है और यह उम्मीद है कि एक बड़ा समझौता हो सकेगा, जिसके जरिए इजराइल महत्वपूर्ण फिलिस्तीनी कैदियों, जिनमें इजराइली नागरिकों की हत्या के सजायाफ्ता भी शामिल हैं, को रिहा करेगा और इसके बदले में बड़ी संख्या में बंधकों को भी मुक्त किया जाएगा।

जैसे-जैसे साल का अंत निकट आ रहा है, नेतन्याहू पर आंतरिक और अंतर्राष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है। लेकिन वे युद्धविराम के आव्हानों का प्रतिरोध कर रहे हैं। और यदि अमरीका नए साल की शुरूआत में लड़ाई बंद करने की मांग करता है, तो इजराइल एवं गाजा दोनों में न तो शांति रहेगी और ना ही रहने लायक परिस्थितियां। बल्कि पूरे मध्यपूर्व क्षेत्र में शांति कायम नहीं हो सकेगी। क्योंकि भले ही बमबारी रूक जाए, आईडीएफ छोटे पैमाने पर जमीनी सैन्य कार्यवाहियां जारी रखेगा। ऐसे परिदृश्य में गाजा के कुछ हिस्सों पर हमास का कब्जा बरकरार रहेगा और नेतन्याहू का इजराइल, सात अक्टूबर के नरसंहार के दोषियों को खत्म करने के अपने मुख्य लक्ष्य को हासिल करने में असफल रहेगा।

सर्दियों में किसी टॉनिक से कम नहीं है आंवला,

सर्दियों के सीजन में आपको मार्केट में तमाम तरह की ताजी हरी सब्जियां मिलती हैं जो सेहत के लिए बेहत ही फायदेमंद हैं। अगर अपनी डाइट में एक हरी सब्जी शामिल करते हैं तो यकीनन आप खुद को पहले से अधिक तंदुरुस्त पाएंगे। इन सब्जियों में यदि आप एक आंवला का सेवन हर दिन करते हैं तो ये आपकी सेहत के लिए एक वरदान साबित होगा। क्योंकि इसके सेवन से शरीर की कई बीमारियां दूर हो सकती है। सर्दियों के सीजन में आपको मार्केट में तमाम तरह की ताजी हरी सब्जियां मिलती हैं जो सेहत के लिए बेहत ही फायदेमंद हैं। अगर अपनी डाइट में एक हरी सब्जी शामिल करते हैं तो यकीनन आप खुद को पहले से अधिक तंदुरुस्त पाएंगे। इन सब्जियों में यदि आप एक आंवला का सेवन हर दिन करते हैं तो ये आपकी सेहत के लिए एक वरदान साबित होगा। क्योंकि इसके सेवन से शरीर की कई बीमारियां दूर हो सकती है।

सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट और रुजुता दिवेकर सर्दियों में रोज एक आंवला खाने की सलाह देती हैं। वह सोशल मीडिया पर कहती हैं एक आंवले का डोज, हर रोज। इसके, पीछे वह आंवला के उन गुणों की बात करती हैं, जो हमारी बॉडी, स्किन और बालों की सेहत सुधारने का काम करता है। भारतीय परिवारों में दादी-नानी भी आंवला खाने के फायदे जानती हैं और अपने पोते-पोतियों को भी इसके सेवन के लिए कहती हैं। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगा कि डाइट में आंवले को जरूर शामिल करें। जानिए सर्दियों में क्यों गुणकारी है आंवले का सेवन...

रुजुता दिवेकर ने आंवले के कई फायदे बताए हैं। आंवले का डेली सेवन करने वालों को सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसी समस्याओं से राहत मिलती है। रुजुता आंवले को फैट बर्निंग फूड मानती हैं जिससे आपको वजन घटाने और बेली फैट कम करने में भी मदद मिलती है। यदि आप खुद को स्लिम रखना चाहते हैं तो आंवला इसमें आपकी सहायता कर सकता है। क्योंकि आंवला में कोलेस्ट्रॉल घटाने गुण पाए जाते हैं। आंवला के सेवन से दिल की बीमारी से भी बचा जा सकता है और इससे जानलेवा कार्डियो वैस्क्युलर बीमारियों का भी कम खतरा रहता है। आंवला खाने से इंसुलिन सेंसिटिविटी बढ़ता है जिससे ब्लड ग्लूकोज लेवल्स को नियंत्रण में भी रखना आसान हो जाता है। आंवला में एंटीऑक्सीडेंट गुणों की भरपूर मात्रा पायी जाती है इसलिए ये कैंसर जैसी घातक बीमारियों से भी आपका बचाव करता है।

आंवला के सेवन करने से बालों, स्किन और आंखों की सेहत भी बेहतर होती है। आंवला में मौजूद विटामिन सी आपके चेहरे की चमक बरकरार रखता है। मालूम हो कि विटामिन सी इम्यून सिस्टम की कार्यक्षमता बढ़ाने में मदद करता है।

1. आंवले को हर सुबह काले नमक के साथ सर्व कर सकते हैं।

2. घर पर आप इसका जूस बनाकर भी पी सकते हैं।

3. आंवला जैम और आंवले का मुरब्बा भी बेहद फायदेमंद है। इन्हें आप बाजार से भी खरीद सकते हैं या फिर अपने घर पर भी बना सकते हैं। मुरब्बे और जैम को आप अपने भोजन में भी शामिल कर सकते हैं।

4.खाने में आप आंवला का अचार प्रयोग कर सकते हैं।

5.आंवला सुपारी का भी सेवन आपके लिए फायदेमंद होगा. आप चाहें तो आंवले को सुखाकर भी खा सकते हैं। आंवले का उपयोग माउथ फ्रेशनर के रूप में भी किया जाता है।

मुरब्बा बनाने के लिए आपको एक किलो आंवला, आधा किलो चीनी, कुछ धागे केसर के और एक गिलास पानी की जरूरत होगी। सबसे पहले आंवले को अच्छे से धो लें फिर इनके छिलके उतार लें और इसमें कांटे की मदद से छेद कर रातभर पानी में भिगोकर रख दें। अगले दिन इसकी चाशनी बनाने के लिए एक कढ़ाई लें और उसमें चीनी घुला हुआ पानी गैस पर रख दें। इसमें चाहें तो 2 चम्मच नींबू और फिटकरी मिक्स करके डाल दें।

जब चाशनी बन जाए तो इसमें आंवले डाल दें और 25 से 3० मिनट तक पकाएं। ध्यान रहे इन्हें आप बीच-बीच में चलाते रहें ताकि ये कढ़ाई की तली में न चिपके। जब आंवला पक जाएगा तो केसर के धागे और इलायची डालकर डाल दें और गैस से हटा लें। ठंडा होने पर इसे सर्व करें और अपनी सेहत बनाएं।

चटनी बनाने के लिए आप कच्चे आंवले, लहसुन की कलियां, हरी मिर्च, धनिया पत्ती, पुदीने की पत्तियां, भुना हुआ जीरा, एक टेबलस्पून नींबू का रस, एक चम्मच सरसों का तेल, काला नमक स्वादानुसार डालें। इसमें सफेद नमक का भी प्रयोग कर सकते हैं. याद रहे चटनी बनाते वक्त आप आंवले को काटकर उसके बीज अलग कर दें। इसके बाद सारी कटी हुई सामग्री को आप एक साथ मिक्सी में या फिर सिल बट्टे पर पीस सकते हैं। इसे आप पराठे, रोटी और समोसे के साथ सर्व कर सकते हैं या फिर डिनर या लंच में भी खा सकते हैं।

डायबिटीज से लेकर हाई बीपी तक...सब रहेगा अंडर कंट्रोल, जानें सर्दियों में कैसे रखें अपनी सेहत का ख्याल

दिसंबर से लेकर जनवरी तक कड़ाके की ठंड पड़ती है। घरा कुहरा और कम तापमान मौसम में ठंडक बनाए रखता है। जिसका असर हेल्थ पर पड़ सकता है। इस मौसम में हार्ट पेशेंट से लेकर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और डाइजेशन पाचन की समस्याओं और मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर वालों के कई चुनौतियों से गुजरना पड़ सकता है। यही कारण है कि ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। ठंड में सर्दी, फ्लू और सांस से जुड़ी दूसरी बीमारियां होना भी आम होता है। ऐसे में आइए जानते हैं सेहत को किस तरह ये दो महीने प्रभावित करते हैं।

सर्दी-जुकाम, फ्लू

जब भी तापमान में गिरावट होती है तो सर्दी-जुकाम और फ्लू की समस्याएं बढऩे लगती है। चूंकि इस मौसम में सूर्य की रोशनी कम मिल पाती है। जिससे विटामिन डी की शरीर में कमी होने लगती है और इम्यून पावर कमजोर होने लगता है। इससे बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है। इनसे बचने के लिए ठंड से बचाव के उपाय करने चाहिए।

ब्लड प्रेशर बढ़ाएगा परेशानी

सर्दियों में ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ते हुए देखी जाती है। सर्दी के मौसम में बीपी ज्यादा और गर्मी में लो होती है। दरअसल, कम तापमान के चलते रक्त वाहिकाएं अस्थायी रूप से संकीर्ण होते हैं। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। संकुचित नसों और धमनियों के जरिए रक्त को प्रवाहित करने के लिए ज्यादा दबाव की जरूरत होती है। इसका हार्ट हेल्थ पर असर पड़ सकता है। इसी वजह से ठंड में हार्ट अटैक के केस ज्यादा पाए जाते हैं।

डायबिटीज मरीजों की बढ़ती है समस्या

सर्दियों में ब्लड प्रेशर ही नहीं डायबिटीज के मरीजों की परेशानी भी काफी हद तक बढ़ सकती है। तापमान में गिरावट होने के साथ कई डायबिटिक में ब्लड शुगर बढ़ जाता है। ठंडा मौसम शरीर का तनाव बढ़ा देता है, जिसके प्रतिक्रिया में शरीर ऊर्जा को बढ़ाने कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन रिलीज करता है। ये हार्मोन इंसुलिन प्रोडक्शन को कम कर ब्लड शुगर लेवल के बढ़ाते हैं। इस स्थिति में किडनी, लिवर, हार्ट पर निगेटिव असर पड़ सकता है। इसे कंट्रोल में रखने शरीर को ठंड से बचाकर समय-समय पर दवाईयां लेते रहना चाहिए।

अस्थमा और सांस से जुड़ी समस्याएं

ऐसे लोग जो अस्थमा या सांस से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे हैं, उनके लिए दिसंबर-जनवरी का महीना कठिन हो सकता है। ठंडी, शुष्क हवाएं और मौसम में अचानक से आए बदलाव से बलगम जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। जिससे अस्थमा ट्रिगर और हार्ट अटैक बढ़ सकता है।(आरएनएस)

खेलों से क्यों खफा मीडिया?

राजेन्द्र सजवान

दिन-रात नेताओं, सांसदों और दलगत राजनीति का भोंपू बजाने वाले टीवी चैनल, समाचार पत्रों और सोशल मीडिया को क्रिकेट के अलावा कोई दूसरा खेल और खिलाड़ी क्यों नजर नहीं आतेय अपने खिलाडियों की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है। खिलाडियों को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा और उनकी उपलब्धियों का बखान नहीं किया जाएगा, तो क्या हम खेलों में बड़ी ताकत बन पाएंगे?

चूंकि देश को खेल महाशक्ति बनना है इसलिए खिलाडियों को ग्रासरूट स्तर से विकसित किया जा रहा है। उन्हें स्कूल स्तर से प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सरकारें अपने खजाने से उन पर भरपूर खर्चा कर रही हैं और सफल खिलाडियों को राष्ट्रीय खेल अवार्ड बांटे जा रहे हैं। लेकिन खेलों को प्रोत्साहन देने के मामले में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ लगभग खामोश सा है। ऐसा क्यों है? यह सवाल कभी कभार पूछा तो जाता है परंतु गंभीरता की कमी के कारण कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता है।

'जंगल में मोर नाचा किसने देखा', इस कहावत पर भारतीय खेलों के प्रति मीडिया की गंभीरता को परखा जाए तो, सिर्फ क्रिकेट ही ऐसा खेल है, जिस पर मीडिया मेहरबान है। खासकर, 1983 के विश्व कप में मिली खिताबी जीत के बाद से भारतीय मीडिया क्रिकेट का होकर रह गयाजहां तक बाकी खेलों की बात है, मीडिया को अन्य खेलों की याद तब आती है जब कोई खिलाड़ी ओलम्पिक और एशियाड में बड़ा करिश्मा करता है या फिर विश्व स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ता है। लेकिन क्रिकेट में टेस्ट, एकदिनी मुकाबलों, रणजी ट्रॉफी और स्थानीय एवं गली-कूचे के आयोजनों पर भारतीय प्रचार माध्यम हमेशा से मेहरबान रहे हैं।

दिन-रात नेताओं, सांसदों और दलगत राजनीति का भोंपू बजाने वाले टीवी चैनल, समाचार पत्रों और सोशल मीडिया को क्रिकेट के अलावा कोई दूसरा खेल और खिलाड़ी क्यों नजर नहीं आते? क्यों बाकी खेलों को अखबार के खेल पेज पर चार लाइनों के बराबर जगह नहीं मिल पाती? खासकर, देश की राजधानी के समाचार राष्ट्रीय और स्थानीय खेल आयोजनों को जगह नहीं देते। ऐसा क्यों? क्या ऐसे भारत खेल महाशक्ति बन पाएगा? हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, कुश्ती, तैराकी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन और तमाम खेलों से जुड़ी खबरें राष्ट्रीय समाचार पत्रों से गायब हो रही हैं। चूंकि खेल खबरों को अखबार में जगह नहीं मिल पाती है इसलिए ज्यादातर खेल आयोजक और खेल संघ मीडिया से नाराज है।

क्रिकेट के अलावा, यूरोप और लैटिन अमेरिकी फुटबॉल, टेनिस और बास्केटबॉल की खबरें भारतीय मीडिया की पसंद है। अपने खिलाडियों की पूरी तरह अनदेखी की जा रही है। क्या ऐसे भारत खेल महाशक्ति बन पाएगाय खिलाडियों को प्रोत्साहन नहीं मिलेगा और उनकी उपलब्धियों का बखान नहीं किया जाएगा, तो क्या हम खेलों में बड़ी ताकत बन पाएंगे?

बॉक्स ऑफिस पर सालार ने दी जवान को पटखनी, बनी साल की सबसे बड़ी ओपनर

इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर फिल्म डंकी और सालार ने दस्तक दे दी है, जिनके बीच की भिड़ंत देखने के लिए सभी उत्सुक थेडंकी ने पहले दिन ठीक-ठाक शुरुआत की तो सालार ने आते ही बॉक्स ऑफिस के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैंप्रभास की सालार, शाहरुख खान की जवान को पछाड़ साल की सबसे बड़ी ओपनर बन गई है। इसके अलावा एनिमल और सैम बहादुर अपनी पकड़ बनाए हुए है।आइए जानते हैं कि सभी फिल्मों की कमाई।

प्रशांत नील के निर्देशन में बनी सालार ने बॉक्स ऑफिस पर आते ही अपना डंका बजा दिया हैप्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन अभिनीत इस फिल्म को बंपर ओपनिंग मिली है और इसने पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का खिताब अपने नाम कर लिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने 95 करोड़ रुपये का कारोबार कर शाहरुख की जवान को पीछे छोड़ दिया है, जिसने पहले दिन 75 करोड़ रुपये के साथ शुरुआत की थी। सालार प्रभास की भी शानदार शुरुआत करने वाली फिल्म बन गई हैइसी साल आई फिल्म आदिपुरुष ने पहले दिन 86.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, वहीं 2०22 में रिलीज हुई फिल्म राधे श्याम ने 43.1० करोड़ रुपये के साथ अपनी ओपनिंग की थीइसी तरह 2०19 में आई साहो ने दमदार ओपनिंग करते हुए 89 करोड़ रुपये कमाई, लेकिन पहले हफ्ते के बाद ही ये तीनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर ढेर हो गई थीं। रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल की रिलीज का यह तीसरा हफ्ता चल रहा है और यह सालार और डंकी के तूफान में अभी भी सिनेमाघरों में टिकी हुई हैहालांकि, अब संदीप रेड्डी द्वारा निर्देशित फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे शुक्रवार (22वें दिन) 1.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। ऐसे में अब इसकी कुल कमाई 532.44 करोड़ रुपये हो गई है। विक्की कौशल की फिल्म सैम बहादुर ने रणबीर की एनिमल के साथ ही सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया थाहालांकि, इसके बाद भी यह बॉक्स ऑफिस पर कमाई करने में सफल रही और दुनियाभर में 11० करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लियारिपोर्ट्स की मानें तो अपनी रिलीज के 22वें दिन फिल्म ने 1 करोड़ रुपये कमाए हैंइसके साथ ही फिल्म अब भारत में 85 करोड़ रुपये का कारोबार करने की ओर बढ़ रही है।

सर्दियों में वर्कआउट या वॉक के दौरान ठंडा या गर्म, कौन सा पानी पीना चाहिए?

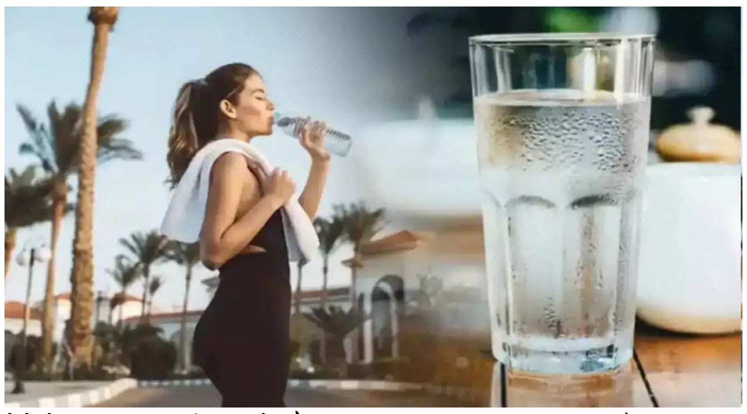

वर्कआउट या वॉक करने के बाद कौन सा पानी पीना पिए? सर्दियों में शरीर बहुत जल्दी डिहाइड्रेटेड हो जाते हैं। जिसके कारण शरीर में एनर्जी की कमी होने लगती है। वॉक करने से शरीर का मेटाबोलिक तेज होता है। साथ ही ब्लड में शुगर लेवल भी कम होता है। यह ब्लड सर्कुलेशन अच्छा करने के लिए सबसे बेस्ट ऑप्शन माना जाता है। सेहत से जुड़ी समस्याओं से निजात चाहिए तो आपको हर रोज वॉक या वर्कआउट करना चाहिए। अब सवाल यह उठता है कि वॉक या वर्कआउट करने के बाद कौन सा पानी पीना चाहिए। यानि ठंडा या गर्मी? सर्दियों में आप जिस तरह के पानी पीते हैं उसका सीधा असर शरीर पर पड़ता है। क्योंकि सर्दियों में आप जिस तरह के पानी को पी रहे हैं उसका असर शरीर पर पड़ता है। बहुत डिपेंड करता है कि आप वॉक के दौरान कैसा पानी पीते हैं क्योंकि इसका सीधा असर शरीर पर पड़ता है।

सर्दियों में वर्कआउट के बाद कुछ ऐसा पानी पिएं

वॉक करने के बाद शरीर का बीपी बढ़ जाता है। ऐसे में ठंडा पानी पीना अच्छा होता है। लेकिन अगर सर्दियों का मौसम है ऐसे में अगर आप वर्कआउट के दौरान या वॉक के बाद ठंडा पानी पिएंगे पिएंगे तो शरीर का टेंपरेचर में अचानक से बदलाव होगा। इससे सर्दी-जुकाम की समस्या भी हो सकती है। ऐसे में एक बात का ख्याल रखें कि ज्यादा ठंडा पानी न पिएं इससे नसें सख्त हो सकती है। जिससे हार्ट का फंक्शन प्रभावित हो सकता है। और प्रेशर भी बढ़ सकता है। ठंडा और गर्म पानी को मिक्स करके पी लें। सर्दियों में वॉक करने के बाद गुनगुना पानी पीना सेहत के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है।

वॉक करने के बाद गुनगुना पानी पिएं

वर्कआउट, वॉक या एक्सरसाइज करने के बाद गुनगुना पानी पीने के बाद ब्लड सर्कुलेशन ठीक हो जाता है। यह आपके ब्लड में मिलकर ब्लड सर्कुलेशन को ठीक करने का काम करता है। साथ ही बीपी को भी बैलेंस बनाने का काम करता है। वॉक करने के बाद गुनगुना पानी दिल के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है।

पेट के लिए फायदेमंद

वॉक करने के बाद गुनगुना पानी पीने से पेट भी बहुत अच्छा रहता है। यह पेट के मेटाबोलिक रेट को भी बढ़ावा देता है। साथ ही फैट पचाने में मदद करता है। इसके अलावा जब आप गुनगुना पानी पीते हैं तो पाचन तंत्र भी अच्छा होता है। सर्दियों में गुनगुना पानी पीने से पेट, पेटा का दर्द, दस्त और वोमिटिंग से बचाव होता है।

रवि तेजा ने रिवील किया अपनी फिल्म मिस्टर बच्चन का पोस्टर

रवि तेजा ने अपनी अपकमिंग फिल्म मिस्टर बच्चन का पोस्टर रिवील कर दिया है। हरीश शंकर के डायरेक्शन में बनी फिल्म के पोस्टर में रवि तेजा का शानदार लुक देखने को मिला है। ब्लैक टीशर्ट। ब्राउन जैकेट, ब्लैक शेड्स लगाए बाइक पर बैठे रवि तेजा मिस्टर बच्चन पोस्टर में सीरीयस लुक दे रहे हैं। उनकी लंबी मूंछें और उनका हेयरकट 7० और 8० के दौर के अमिताभ बच्चन से मैच कर रही है।

रवि तेजा की फिल्म का नाम और उनका लुक इस ओर इशारा कर रही है कि फिल्म अमिताभव बच्चन से इंस्पायरड है। पोस्टर में नाम के साथ अमिताभ बच्चन का डायलॉग- नाम तो सुना होगा भी लिखा है। बता दें कि रवि तेजा पहले से ही अमिताभ बच्चन के बहुत बड़े फैन हैं और अब जब अपने आइडियल के नाम और लुक के साथ उनकी नई फिल्म आ रही है तो उन्होंने इसपर खुशी जताई है। इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा- नाम तो सुना होगा। मेरे पसंदीदा अमिताभ बच्चन साहब के नाम वाला किरदार निभाना सम्मान की बात है।

मिस्टर बच्चन के साथ रवि तेजा और हरीश शंकर तीसरी बार एक-दसरे के साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले वे शॉक और मिरापाके में एक साथ काम कर चुके हैं। वहीं भाग्यश्री बोरसे मिस्टर बच्चन में लीड एक्ट्रेस के तौर पर दिखाई देंगी। ये एक तेलुगू फिल्म है जिसके साथ भाग्यश्री बोरसे अपना तेलुगू डेब्यू करने जा रही है। फिल्म अगले साल थिएटर्स में रिलीज होगी।

रवि तेजा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे इससे पहले तेलुगू फिल्म टाइगर नागेश्वर राव में नजर आए थे। अब वे कार्तिक गट्टमनेनी के डायरेक्शन में बनी फिल्म ईगल में दिखाई देंगे। ईगल 13 जनवरी, 2०24 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शब्द सामर्थ्य -048

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. संबंध, लगाव, नाता, काम 2. सिसकने की आवाज, सीत्कार 4. आग की ज्वाला, दहक 5. दियासलाई 7. प्रतिकार, प्रतिशोध 8. बाबुल की दुआएं लेती जा... गीतवाली बलराज साहनी, मनोजकुमार, राजकुमार, वहीदा की फिल्म 11. करतल ध्वनि 13. आपसी व्यवहार का संबंध, वास्ता 15. वचन, जीभ 16. रोगियों को स्वस्थ और मृतकों को जीवित कर देने वाला 17. एक सुंदर फूलदार वृक्ष 19. पत्नी, बीवी 20. मसालेदार सुगंधित सुरती।

ऊपर से नीचे

1. उचित, उपयुक्त, जायज 2. किवाड़ को अंदर से बंद करने लगा छड़, चटखनी 3. मांस के अत्यंत छोटे टुकड़े 4. माथा, मस्तक 6. कटोरी के आकार का नलीदार पात्र जिसमें तंबाकू रखकर पीते हैं 9. रेखा 10. खून से लथपथ 11. छिपकर बुरी नजर से ताकने की क्रिया, रह रहकर ताकने की क्रिया 12. व्यापार, धंधा 13. श्रृंगार करना, साजन 14. श्रवणइंद्रीय 16. सीमा, हद 18. चमड़ा, चाम 19. बोझ, दबाव।

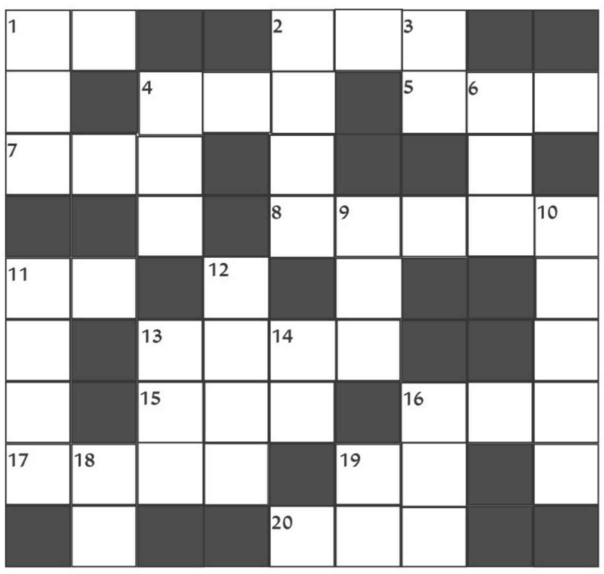

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 47 का हल

मै	दा	न		स	र	ग	म	
त्री		सी			क्षा		धु	र्रा
	सा	ह	स				र	
स्वा	ग	त		स	म	झौ	ता	
व	र			र				म
लं		वि	ला	स			दा	म
बी	न		ज		सा	मा	न	ता
	ज		वा	हि	या	त		
त	र	की	ब		ना		खा	ली

नंदमुरी कल्याणराम मूवी डेविल का गाना धूरामे थेरामाई जारी

अपने पूरे करियर में अपनी विशिष्ट स्क्रिप्ट पसंद के लिए प्रसिद्ध, नंदमुरी कल्याणराम अपने नवीनतम उद्यम, डेविल के साथ एक बार फिर दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। प्रतिभाशाली अभिषेक नामा द्वारा निर्देशित और निर्मित, यह फिल्म, जिसे द ब्रिटिश सीक्रेट एजेंट के रूप में जाना जाता है, उत्सुकता से प्रतीक्षित है। उत्साह को बढ़ाते हुए, फिल्म निर्माताओं ने आज धूरामे थीरमई के लिए गीतात्मक वीडियो का अनावरण किया, जो दर्शकों को एक उत्कृष्ट धुन से रूबरू कराता है जो उन्हें भावनाओं के दायरे में ले जाता है।

मंत्रमुग्ध कर देने वाली रचना में एनिमल में अपने काम के लिए जाने जाने वाले हर्षवर्द्धन रामेश्वर की मखमली आवाज है, और इसे समीरा भारद्वाज द्वारा लिखे गए मार्मिक गीतों से पूरित किया गया है, जिन्होंने न केवल सुंदर छंद लिखे, बल्कि गीत को अपनी आवाज भी दी। गाने के साथ आने वाले सिम्फोनिक दृश्य रोंगटे खड़े कर देने वाले हैं, जो दर्शकों के लिए एक संवेदी आनंद का वादा करते हैं।

जो चीज़ डेविल को अलग करती है, वह न केवल इसकी संगीत प्रतिभा है, बल्कि कल्याणराम और संयुक्ता के बीच की आकर्षक ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री भी है। हाल ही में रिलीज़ हुआ ट्रेलर एक झलक प्रदान करता है जो एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव का वादा करता है, जो प्रत्याशा को बढ़ाता है जो पहले से ही एल्बम के दो गानों के सकारात्मक स्वागत से प्रेरित है।

पर्दे के पीछे, फिल्म शानदार तकनीकी विशेषज्ञता का दावा करती है, जिसमें साउंडर राजन.एस सिनेमैटोग्राफी संभालते हैं और तम्मीराजू संपादन का प्रभार संभालते हैं। श्रीकांत विस्सा के नेतृत्व वाली प्रतिभाशाली टीम की कथात्मक क्षमता जटिल रूप से तैयार की गई कहानी, पटकथा और संवादों में स्पष्ट है, जो यह सुनिश्चित करती है कि डेविल सिर्फ एक दृश्य तमाशा से कहीं अधिक है - यह एक सम्मोहक और आकर्षक कहानी कहने का अनुभव है।

जैसे-जैसे रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, डेविल को लेकर चर्चा बढ़ती जा रही है, दर्शक इस सिनेमाई चमत्कार को बड़े पर्दे पर देखने के अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अपनी अनूठी कहानी, दिल को छू लेने वाले संगीत और शानदार प्रदर्शन के साथ, डेविल फिल्म देखने वालों के दिलों पर एक अमिट छाप छोड़ने के लिए तैयार है।

आकांशा रंजन कपूर ने दस्तूर में नीना गुप्ता की बेटी बनने का बताया अनुभव

हाल ही में जसलीन रॉयल के नवीनतम संगीत वीडियो दस्तूर में दिखाई देने वाली अभिनेत्री आकांशा रंजन ने कहा कि नीना गुप्ता की उपस्थिति में उनकी बेटी का किरदार निभाना अविश्वसनीय रूप से भावनात्मक था। गाने में बाबिल खान, जसलीन रॉयल के साथ जैकी श्रॉफ और नीना गुप्ता शामिल हैं, साथ ही आकांशा ने इस समूह में अपनी आकर्षक उपस्थिति दर्ज कराई है।

आकांशा ने कहा, जैकी सर ने सेट पर हंसी ला दी, उनकी चंचल हरकतें सभी के चेहरे पर मुस्कान ला देती है। नीना आंटी की मौजूदगी में उनकी बेटी का किरदार निभाना अविश्वसनीय रूप से भावनात्मक था। वह मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखती है और मेरे जीवन में एक प्रिय व्यक्ति रही है।

संगीत वीडियो में एक जोड़े (जसलीन रॉयल और बाबिल खान द्वारा अभिनीत) की प्रेम कहानी को दर्शाया गया है, जो समाज द्वारा विवश है। इसमें आकांशा रंजन कपूर ने नीना गुप्ता की बेटी का किरदार निभाया है।

गाने और जसलीन रॉयल के साथ अपने सहयोग के बारे में बात करते हुए आकांशा रंजन कपूर ने साझा किया, मैंने इस गाने को नीना मैम, जैकी सर और जसलीन के साथ फिल्माया। यह मड आइलैंड में एक आनंदमय एक दिवसीय शूट था, जिसमें आनंद के अलावा कुछ नहीं था। इसके अंत तक हर कोई सकारात्मक भावनाओं से ओत-प्रोत होकर गीत गुनगुना रहा था और उस पर झूम रहा था।

उन्होंने कहा, नीना आंटी और जैकी सर के बीच के मार्मिक क्षण का साक्षी बनना, जहां उन्होंने धीरे से उनकी आंखों में काजल लगाया, हर किसी की आंखों में आंसू आ गए, यह वास्तव में खूबसूरत पल था। जसलीन ने इसमें शानदार प्रदर्शन किया। आकांशा रंजन कपूर सीवी कुमार की बहुप्रतीक्षित निर्देशित फिल्म मायावन में संदीप किशन के साथ तेलुगु उद्योग में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

आलिया भट्ट की जिगरा का हिस्सा बनीं शोभिता धुलिपाला, निभाएंगी अहम भूमिका

आलिया भट्ट मौजूदा वक्त में अपनी आने वाली फिल्म जिगरा की शूटिंग में व्यस्त हैं।अभिनेत्री इस फिल्म में न सिर्फ मुख्य भूमिका निभा रही हैं, बल्कि धर्मा प्रोडक्शंस के साथ इसका निर्माण भी कर रही हैं।अब इस फिल्म से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आ रही है।खबर है कि आलिया के अलावा शोभिता शोभिता धुलिपाला भी जिगरा में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हालांकि, इस खबर की अभिनेत्री की ओर से आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

हाल ही में आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया था, जिसमें उन्होंने बताया कि शोभिता जिगरा की स्टारकास्ट से जुड़ चुकी हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आलिया ने कुछ दिन पहले ही इंस्टाग्राम पर शोभिता को फॉलो करना शुरू किया है।फिल्म जिगरा की बात करें तो यह फिल्म 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।इसका निर्देशन वासन बाला ने किया है।

शोभिता ने साल 2016 में आई फिल्म रमन राघव 2.0 के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसका निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था।शोभिता द बॉडी, घोस्ट स्टोरीज और मेजर जैसी हिंदी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।इसके अलावा अभिनेत्री कई मलयालम और तेलुगु फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं।

शोभिता ने 2019 में मेड इन हेवन के जरिए ओटीटी की दुनिया में कदम रखा था। उन्हें आखिरी बार इसकी दूसरी किस्त में देखा गया था।

भगवान हनुमान और रावण के बीच महायुद्ध, दमदार ट्रेलर रिलीज

एनिमेटेड शो द लीजेंड ऑफ हनुमान के तीसरे सीजन का ट्रेलर जारी किया गया। इसमें भगवान हनुमान और रावण के बीच महायुद्ध देखने को मिलेगा। 2 मिनट 24 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत एक लड़ाई के बीच से होती है, जो यह दर्शाता है कि कैसे भगवान हनुमान और रावण के पास समान शक्ति है और केवल एक चीज जो उन्हें अलग करती है, वह है धार्मिकता।

इसमें दिखाया गया है कि जब भगवान हनुमान लंकेश से मुकाबला करते हैं तो उन्हें अपनी असली ताकत के बारे में पता चलता है। इसमें कुंभकर्ण को युद्ध के मैदान में उतरते हुए भी दिखाया गया है। शो के बारे में बात करते हुए, लंकेश की आवाज देने वाले शरद केलकर ने कहा, मैं हनुमान के पौराणिक कथाओं के बारे में सुनकर बड़ा हुआ हूं और अब रावण की कहानी का हिस्सा बनना अकल्पनीय रूप से अवास्तविक लगता है।

मेरे बचपन पर इसके प्रभाव ने इस अवसर को और भी खास बना दिया। एक बच्चे के रूप में, मैं हमेशा रावण की अहंकार भरी हंसी की नकल करता था। यह सभी दर्शकों का ध्यान खींच लेगी।उन्होंने आगे कहा, मैं डब के दौरान बार-बार हंसने का अभ्यास करता था, इतना कि मैं अपने आस-पास मौजूद क्रू को चौंकाता था।

मैं डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर दर्शकों के लिए इस नए सीजन में अच्छाई बनाम बुराई की इस रोमांचक कहानी को देखने के लिए उत्साहित हूं क्योंकि वे पौराणिक कथाओं के इस नए अध्याय को उजागर करते हैं। ग्राफिक इंडिया द्वारा निर्मित और शरद देवराजन, जीवन जे. कांग और चारुवी अग्रवाल द्वारा निर्मित, द लीजेंड ऑफ हनुमान सीजन-3 12 जनवरी, 2024 से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

अक्किनेनी नागार्जुन ने हनीमून एक्सप्रेस का फर्स्ट लुक जारी

हनीमून एक्सप्रेस सामाजिक रूप से प्रासंगिक संदेश के साथ एक नए जमाने की रोमांटिक कॉमेडी है। हनीमून एक्सप्रेस एक अवास्तविक रोमांटिक कॉमेडी है, जो एनआरआई एंटरटेनमेंट्स (यूएसए) द्वारा प्रस्तुत और न्यू रील इंडिया एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है। चैतन्य राव और हेबा पटेल मुख्य जोड़ी की भूमिका निभाते हैं। मुख्य भूमिकाओं में तनिकेला भरानी और सुहासिनी अभिनीत, फिल्म बाला राजशेखरूनी द्वारा लिखित और निर्देशित है। हनीमून एक्सप्रेस एक कल्याणी मलिक संगीतमय फिल्म है, जो केकेआर और बाला राज द्वारा निर्मित है।

आज फिल्म का फर्स्ट लुक किंग नागार्जुन ने बिग बॉस तेलुगु 7 के सेट पर स्टार के स्पेशल रूम में जारी किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, नागार्जुन ने कहा कि वह बाला को अन्नपूर्णा कॉलेज ऑफ फिल्म एंड मीडिया के डीन के रूप में कई वर्षों से जानते हैं। किंग नागार्जुन ने यह भी उल्लेख किया कि बाला ने हॉलीवुड फिल्म उद्योग में अपने प्रदर्शन के साथ, अन्नपूर्णा छात्रों और संकाय के साथ अपना व्यावहारिक ज्ञान साझा किया। उन्होंने यह भी कहा, बाला ने इस फिल्म में हमारे फिल्म स्कूल के कई छात्रों और संकाय सदस्यों को पेशेवर काम के अवसर दिए हैं हनीमून एक्सप्रेस मनोरंजन और एक मजबूत सामाजिक संदेश का एक सुंदर मिश्रण है। कल्याणी मलिक की धुनें काफी रोमांटिक और आकर्षक हैं।मेरा दृढ़विश्वास है कि हनीमून एक्सप्रेस निश्चित रूप से सुपरहिट होगी!

बाला राजशेखरूनी ने कहा, हॉलीवुड उद्योग में दो दशकों से अधिक समय तक काम करते हुए, मैं हमेशा एक तेलुगु फिल्म बनाने की इच्छा रखता था। मुझे डीन के रूप में भारत वापस लाने और टॉलीवुड में प्रवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए श्रीमती अमला अक्किनेनी को धन्यवाद। मैं नागार्जुन गारू को हमेशा मेरे लिए एक बड़ा समर्थन देने और आज हनीमून एक्सप्रेस के पहले लुक का अनावरण करने के लिए धन्यवाद देता हूं। हनीमून एक्सप्रेस में मैंने मनोरंजन और स्वस्थ हास्य के माध्यम से पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का प्रयास किया।

राजा राम की नगरी का विकास तो राजसी हो!

विनीत नारायण

नव निर्माण के उत्साह में प्राचीन मंदिरों के प्राण प्रतिष्ठित विग्रहों को अपमानित या ध्वस्त न किया जाए, बल्कि उन्हें ससम्मान दूसरे स्थान पर ले जाकर स्थापित कर दिया जाए।यहाँ ये याद रखना भी आवश्यक है कि किसी भी प्राण प्रतिष्ठित विग्रह की उपेक्षा करना, उनका अपमान करना या उनका विध्वंस करना सनातन धर्म में जघन्य अपराध माना जाता है। इसे ही तालिबानीपना कहा जाता है। जैसा अनेक मुसलमान शासकों ने मध्य युग में और हाल के वर्षों में कश्मीर, बांग्लादेश व अफ़ग़ानिस्तान में मुसलमानों ने किया। इतिहास में प्रमाण हैं कि कुछ हिंदू राजाओं ने भी ऐसा विध्वंस बौद्ध विहारों का किया था।

एक्स-ट्विटरपर एक पोस्ट देखी। इसमें अयोध्या में रामलला के विग्रह को रज़ाई उढ़ाने का मज़ाक़ उड़ाया गया है। उस पर मैंने निम्न पोस्ट लिखी जो शायद आपको रोचक लगे। वैष्णव संप्रदायों में साकार ब्रह्म की उपासना होती है। उसमें भगवान के विग्रह को पत्थर, लकड़ी या धातु की मूर्ति नहीं माना जाता। बल्कि उनका जागृत स्वरूप मानकर उनकी सेवा- पूजा एक जीवित व्यक्ति के रूप में की जाती है। ये सदियों पुरानी परंपरा है। जैसे श्रीलड्डूगोपालजी के विग्रह को नित्य स्नान कराना, उनका श्रंगार करना, उन्हें दिन में अनेक बार भोग लगाना और उन्हें रात्रि में शयन कराना। ये परंपरा हम वैष्णवों के घरों में आज भी चल रही है। 'जाकी रही भावना जैसी-प्रभु मूरत देखी तीन तैसी।'

इसीलिए सेवा पूजा प्रारंभ करने से पहले भगवान के नये विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की जाती है। इसका शास्त्रों में संपूर्ण विधि विधान है। जैसा अब रामलला के विग्रह की अयोध्या में भव्य रूप से होने जा रही है। यह सही है कि हर राजनैतिक दल अपना चुनावी एजेंडा तय करता है और उसे वह इस आशा में आगे बढ़ाता है कि उसके जरिये वह दल चुनाव की वैतरणी पार कर लेगा। 'गरीबी हटाओ', 'चुनिए उन्हें जो सरकार चला सकें' या 'बहुत हुई महंगाई की मार- अबकी बार मोदी सरकार' कुछ ऐसे ही नारे थे जिनके सहारे कांग्रेस और भाजपा ने लोक सभा के चुनाव जीते और सरकारें बनाई।

इसी तरह 'सौगंध राम की खाते हैं, हम मंदिर वहीं बनाएंगे' वह नारा था जो संघ परिवार और भाजपा ने ९० के दशक से लगाना शुरू किया और २०२४ में उस लक्ष्य को प्राप्त कर लिया। इसलिए आगामी 22 जनवरी को अयोध्या के निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर में भगवान के श्री विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। स्वाभाविक है कि मंदिर का निर्माण पूर्ण हुए बिना ही बीच में इतना भव्य आयोजन २०२४ के लोक सभा चुनावों को लक्ष्य करके आयोजित किया जा रहा है। पर ये कोई आलोचना का विषय नहीं हो सकता।

विगत 33 वर्षों में श्रीराम जन्मभूमि को लेकर जितने विवाद हुए उनपर आजतक बहुत कुछ लिखा जा चुका है। हर पक्ष के अपने तर्क हैं। पर सनातन धर्मी होने के कारण मेरा शुरू से यही मत रहा है कि अयोध्या, काशी और मथुरा में हिन्दुओं की परम आस्था के धर्म स्थानों पर मौजूद ये मस्जिदें कभी सांप्रदायिक सद्भाव नहीं होने देंगी। क्योंकि अपने तीन प्रमुख देवों श्रीराम, श्री शिव व श्री कृष्ण के तीर्थ स्थलों पर ये मस्जिदें हिन्दुओं को हमेशा उस अतीत की याद दिलाती रहेंगी जब मुसलमान आक्रांताओं ने यहां मौजूद हिन्दू

मंदिरों का विध्वंस करके यहां मस्जिदें बनाई थीं। अपने इस मत को मैंने इन 33 वर्षों में अपने लेखों और टीवी रिपोर्ट्स में प्रमुखता से प्रकाशित व प्रसारित भी किया। इसलिए आज अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण हर आस्थावान हिन्दू के लिए हर्षोल्लास का विषय है।

हर्ष का विषय है कि प्रभु श्रीराम के जन्म से लेकर राज्याभिषेक की साक्षी रही अयोध्या नगरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भव्य स्तर पर विकसित करने का संकल्प लिया और उसी प्रारूप पर आज अयोध्या का विकास हो रहा है ताकि दुनिया भर से आने वाले भक्त और पर्यटक अयोध्या का वैभव देखकर प्रभावित व प्रसन्न हों। भगवान श्री राम की राजधानी का स्वरूप भव्य होना ही चाहिए।

एक बात और कि जब मोदी जी प्रधान मंत्री बने और मुझे उनकी 'हृदय योजना' का राष्ट्रीय सलाहकार नियुक्त किया गया, तब से यह बात मैं सरकार के संज्ञान में सीधे और अपने लेखों के माध्यम से लाता रहा हूँ कि अयोध्या, काशी और मथुरा का विकास उनकी सांस्कृतिक विरासत के अनुरूप होना चाहिए, एकरूप नहीं। जैसे अयोध्या राजा राम की नगरी है इसलिए उसका स्वरुप राजसी होना चाहिए। जबकि काशी औघड़ नाथ की नगरी है जहां कंकड़-कंकड़ में शंकर बसते हैं। इसलिए उसका विकास उसी भावना से किया जाना चाहिए था न कि काशी कॉरिडोर बनाकर। क्योंकि इस कॉरिडोर में भोले शंकर की अल्हड़ता का भाव पैदा नहीं होता बल्कि एक राजमहल का भाव पैदा होता है।

ऐसा काशी के संतों, दार्शनिकों व सामान्य काशीवासियों का भी कहना है। इसी तरह मथुरा-वृन्दावन में जो कॉरिडोरनुमा निर्माण की बात आजकल हो रही है वह ब्रज की संस्कृति के बिलकुल विपरीत है। यह बात स्वयं बालकृष्ण नन्द बाबा से कह रहे हैं, नः पुरो जनपदा न ग्रामा गृहावयम्, नित्यं वनौकसतात् वनशैलनिवासिनः (श्रीमदभागवतम, दशम स्कंध, 24 अध्याय व 24 वां श्लोक), बाबा ये पुर, ये जनपद, ये ग्राम हमारे घर नहीं हैं। हम तो वनचर हैं। ये वन और ये पर्वत ही हमारे निवासस्थल हैं। इसलिए ब्रज का विकास तो उसकी प्राकृतिक धरोहरों जैसे कुंड, वन, पर्वत और यमुना का संवर्धन करके होना चाहिए, जहां भगवान श्री राधा-कृष्ण ने अपनी समस्त लीलाएं कीं। पर आज ब्रज तेजी से कंक्रीट का जंगल बनता जा रहा है। इससे ब्रज के रसिक संत और ब्रज भक्त बहुत आहत हैं। हमारे यहां तो कहावत है, 'वृन्दावन के वृक्ष को मरम न जाने कोय, डाल-डाल और पात पे राधे लिखा होय।'

यहां एक और गंभीर विषय उठाना आवश्यक है। वह यह कि नव निर्माण के उत्साह में प्राचीन मंदिरों के प्राण प्रतिष्ठित विग्रहों को अपमानित या ध्वस्त न किया जाए, बल्कि उन्हें ससम्मान दूसरे स्थान पर ले जाकर स्थापित कर दिया जाए।यहाँ ये याद रखना भी आवश्यक है कि किसी भी प्राण प्रतिष्ठित विग्रह की उपेक्षा करना, उनका अपमान करना या उनका विध्वंस करना सनातन धर्म में जघन्य अपराध माना जाता है।

इसे ही तालिबानी हमला कहा जाता है। जैसा अनेक मुसलमान शासकों ने मध्य युग में और हाल के वर्षों में कश्मीर, बांग्लादेश व अफ़ग़ानिस्तान में मुसलमानों ने किया। इतिहास में प्रमाण हैं कि कुछ हिंदू राजाओं ने भी ऐसा विध्वंस बौद्ध विहारों का किया था। अगर किसी कारण से किसी प्राण प्रतिष्ठित विग्रह को या उसके मंदिर को विकास की योजनाओं के लिए वहाँ से हटाना आवश्यक हो तो उसका भी शास्त्रों में पूरा विधि-विधान है। जिसका पालन करके उन्हें श्रद्धा पूर्वक वहाँ से नये स्थान पर ले ज़ाया जा सकता है। पर उन्हें यूँ ही लापरवाही से उखाड़ कर कूड़े में फेंका नहीं जा सकता। ये सनातन धर्म के विरुद्ध कृत्य माना जाएगा। हर हिंदू इस पाप को करने से डरता है।

सू- दोकू क्र.048

	9			2				1
		5	1				3	
7				9		8		5
	8		3		7		5	
2		7				1		3
	4			1			8	
6		2			9			
	5		7			3		
		8		5			6	7

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.47 का हल

7	8	2	6	3	1	4	5	9
6	4	1	8	5	9	2	7	3
9	3	5	4	7	2		1	8
2	6	3	1	9	7	6	8	4
5	7	8	3	6	4	1	9	2
1	9	4	5	2	8	7	3	6
4	5	7	2	8	3	9	6	1
3	1	6	9	4	5	8	2	7
8	2	9	7	1	6	3	4	5

मिमिक्री तो देश की

मुद्दा यह है कि दूरगामी महत्त्व के बेहद महत्त्वपूर्ण विधेयकों को बिना पूरी संसदीय निगरानी एवं पड़ताल के पास कर दिया गया और उसी समय देश को मिमिक्री के बहस में उलझाए रखा गया। क्या देश का इससे बड़ा कोई और मखौल उड़ाया जा सकता है?

थोक भाव से विपक्षी सांसदों को दोनों सदनों निकाले जाने के बाद संसद परिसर में तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री की। कांग्रेस नेता राहुल गांधी उसका वीडियो बनाते देखे गए। और इसके साथ ही सत्ता पक्ष को तमाम दूसरे मुद्दों से ध्यान भटकाने का बहाना मिल गया। तो उप-राष्ट्रपति के संवैधानिक पद, जाट और किसान सबके कथित अपमान के मुद्दे उछाल दिए गए।

यहां तक कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने धनखड़ के समर्थन में बयान जारी किया और राज्यसभा में उसकी निंदा के लिए प्रस्ताव भी लाया गया। जवाब में विपक्ष ने प्रधानमंत्री की कुछ पुरानी भाव-भंगिमाओं और बयानों को सोशल मीडिया पर शेयर उन्हें मिमिक्री का उस्ताद बताने की मुहिम छेड़ दी। उधर मेनस्ट्रीम मीडिया ने अपने श्रोता वर्ग को इस बहस में उलझा दिया कि कौन ज्यादा बड़ा मिमिक्रीबाज है।

इस बीच संसद ने विपक्ष की गैर-हाजिरी में भारतीय दंड संहिता और साक्ष्य संहिताओं के नए तीन विधेयक पारित कर दिए। साथ ही लोकसभा ने टेलीकॉम बिल को मंजूरी दे दी।

जाहिर है, इन सभी विधेयकों को बिना पर्याप्त संसदीय जांच-परख के पास कर दिया गया है, जबकि इनका प्रभाव देश के हर नागरिक पर पड़ेगा। मानव अधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने पारित भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य संहिता के बारे में कहा है कि इनसे भारत में अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ कार्रवाइयों में और बढ़ोतरी ही होगी। थिंक टैंक इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन (आईएफएफ) ने कहा है कि नए कानूनों से कोई सुधार होना तो दूर, उनसे सरकार का नियंत्रण और सख्त होगा।

आईएफएफ ने दूरसंचार विधेयक के बारे में कहा है कि इसके जरिए नई पैकेजिंग में औपनिवेशिक अतीत को प्रस्तुत किया गया है। इस बिल में निगरानी और इंटरनेट को सस्पेंड करने जैसे सरकार के सारे अधिकार बरकरार रखे गए हैं। तो मुद्दा यह है कि दूरगामी महत्त्व के इतने महत्त्वपूर्ण विधेयकों को बिना पूरी संसदीय निगरानी एवं पड़ताल के पास कर दिया गया और उसी समय देश को मिमिक्री के बहस में उलझाए रखा गया। क्या देश का इससे बड़ा कोई और मखौल उड़ाया जा सकता है?(आरएनएस)

राधिका मदान की सजिनी शिंदे का वायरल वीडियो ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दी दस्तक

मिखिल मुसले के निर्देशन में बनी फिल्म सजिनी शिंदे का वायरल वीडियो को इसी साल 27 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। इसमें राधिका मदान मुख्य भूमिका में हैं।15 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने 4० लाख रुपये का कारोबार किया।अब सजिनी शिंदे का वायरल वीडियो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे चुकी है। जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

सजिनी शिंदे का वायरल वीडियो में निमरत कौर और भाग्यश्री जैसी अभिनेत्रियां भी मुख्य भूमिकाओं में हैं।सुबोध भावे, सोहम मजूमदार, चिन्मय मांडेकर, श्रुति व्यास, सुमित व्यास, स्नेहा रायकर, आशुतोष गायकवाड़ और रश्मी अगड़ेकर जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।इसका निर्देशन मिखिल मुसले ने किया है तो वहीं दिनेश विजन फिल्म के निर्माता है।

इसकी कहानी मिखिल मुसले और परिंदा जोशी ने मिलकर लिखी है।इन दिनों राधिका अपनी आगामी फिल्म सना की शूटिंग में व्यस्त हैं।

अलग-अलग स्थानों से 30 लीटर कच्ची शराब सहित चार दबोचे

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब तस्करी में लिप्त चार लोगों को पुलिस ने देर रात अलग-अलग स्थानों से 30 लीटर कच्ची शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार कल देर रात कोतवाली लक्सर पुलिस द्वारा नव वर्ष के जश्न के चलते क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को अलग-अलग स्थानों पर चार संदिग्ध लोग जैरिकन सहित घूमते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोक कर तलाशी ली तो उनके पास से 30 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम रामकिशन पुत्र गोटी निवासी डान्डा भागमल कोतवाली लक्सर, विकास पुत्र राम कुमार निवासी ग्राम प्रतापपुर थाना लक्सर, छोटी पत्नी जोगेन्द्र सिंह निवासी महाराजपुर कला थाना कोतवाली लक्सर व कन्हैया उर्फ कृष्णपाल पुत्र कालूराम निवासी वार्ड नम्बर 1 लक्सर बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

300 ग्राम चरस सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने कल देर शाम 300 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना भगवानपुर पुलिस द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान पुलिस को खुब्बनपुर में एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 300 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम अरूण उर्फ लालबाबू पुत्र झब्बूलाल निवासी मझोलिया पो. श्रीनगर थाना मईल जिला देवरिया उत्तरप्रदेश बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

मुख्य सचिव ने दी नव वर्ष की शुभकामनाएं

देहरादून (कासं)। मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सोमवार को सचिवालय परिसर में नववर्ष के पावन अवसर पर सचिवालय परिवार के सभी अधिकारियों कर्मचारियों को नव वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्य सचिव ने इस अवसर पर सभी प्रदेशवासियों के लिए सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी सहित सचिव, अपर सचिव, सचिवालय के अधिकारी, कर्मचारी सहित सचिवालय संघ के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

आबकारी विभाग ने नए साल पर बनाया.. ◄◄ पृष्ठ 1 का शेष

लगी है। क्योंकि इस बार लाइसेंस का दुरुपयोग पकड़े जाने या बाहर से मंगाकर शराब बेचने वालों पर लगाई जाने वाली पेनल्टी को भी कई गुना बढ़ा दिया गया था। यह जुर्माना 5000 से बढ़ाकर एक लाख रखा गया था जिससे कोई कम उम्र के बच्चों को शराब न पिला सके व अवैध शराब की बिक्री को रोका जा सके। उल्लेखनीय है कि वनडे लाइसेंस की फीस घर के लिए 2000, बैंक्विट हॉल के लिए 5000, क्लब के लिए 10.000 व रेस्टोरेंट के लिए 20.000 रखा गया था।

वनडे लाइसेंस की इस बार की उचित व्यवस्थाओं से सरकारी राजस्व में वृद्धि तो हुई ही है साथ ही साथ अवैध रूप से शराब की बिक्री और बाहर से शराब लाये जाने पर ब्रेक लग सका है। अगर ऐसी ही व्यवस्था आगे भी की जाती रही है तो शराब के अवैध कारोबार व पीने पिलाने वालों के दिन जल्द लद सकते हैं। लेकिन आबकारी विभाग को इसके लिए ऐसी ही मुस्तैद पहल आगे भी करने की जरूरत होगी।

चालकों की हड़ताल से यात्री परेशान.. ◄◄ पृष्ठ 1 का शेष

कहना है कि वह कोई बहुत अमीर लोग नहीं हैं जिन्हें 10 साल की सजा या 5 लाख के जुर्माने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अगर किसी ड्राइवर के साथ यह अनहोनी होती है जिसकी संभावनाओं से इन्कार नहीं किया जा सकता है ऐसी स्थिति में उसके पूरे परिवार का क्या होगा, इसका कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता है। तीन दिवसीय इस हड़ताल के पहले दिन आज राजधानी दून सहित पूरे उत्तराखंड में व्यापक असर देखने को मिला। अगर यह हड़ताल तीन दिन जारी रहती है तो इसका असर और भी व्यापक स्तर पर देखने को मिलेगा। चालकों की मांग है कि सरकार इस नए परिवहन कानून को वापस ले अन्यथा वह अनिश्चितकालीन हड़ताल पर मजबूर होंगे। दून में जो विक्रम व ऑटो चालक सड़कों पर चल रहे थे उन्हें भी यूनियन के लोगों द्वारा जबरन जगह-जगह रोका गया। जिसके कारण बस अड्डे से लेकर अन्य तमाम स्थानों पर यात्रियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

सीटू से सम्बद्ध ड्राईवर कंडक्टर यूनियन ने भी हड़ताल का समर्थन किया

संवाददाता

देहरादून। सीटू से सम्बद्ध ड्राइवर कंडक्टर यूनियन ने हडताल का समर्थन कर डाकपत्थर बस स्टेण्ड में प्रदर्शन किया।

आज यहां सीटू से सम्बद्ध जिला देहरादून ड्राइवर कंडक्टर यूनियन द्वारा डाकपत्थर में देहरादून से विकासनगर डाकपत्थर रूट के ड्राइवर कन्डक्टरो ने यूनियन के बैनर तले प्रदर्शन किया व केंद्र की मोदी सरकार की नई परिवहन नीतियों जो परिवहन व्यवसायियों व ड्राइवर कंडक्टरों पर प्रभाव डालेगा।

इस अवसर पर सीटू के जिलामहामंत्री लेखराज ने कहा कि सीटू हमेशा से ही वर्कर्स के खिलाफ नीतियों का विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि संसद में

146 सांसदों को निलंबित कर जनविरोधी कानूनों को पास कर दिया गया जिसका सीटू विरोध करेगी और जनता के बीच जा कर मोदी सरकार को बेनकाब करेंगे।

इस अवसर पर यूनियन के अध्यक्ष जितेंद्र पुंडीर, महामंत्री योगेश धीमान, विनोद कुमार, विक्रांत सिंह, राहुल वर्मा, राजन कुमार, रियाज अहमद, नफीस, असलम खान, सावन कुमार, अरुण कुमार, प्रदीप कुमार, शमशाद अली आदि बड़ी संख्या में ड्राइवर कन्डक्टर विरुद्ध प्रदर्शन में शामिल थे इस अवसर पर डाकपत्थर बस स्टैंड पर प्रदर्शन किया गया।

मारपीट में दो भाईयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने दो भाईयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रेमनगर डोईवाला निवासी सूरज सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह राज मिस्त्री का कार्य करता है। गत दिवस वह घर पर था, इस दौरान उसके जानकर प्रमोद आए और उसके साथ गाली गलोच करने लगे, इसके साथ उसने मना किया तो मारपीट करने लग गए। प्रमोद उससे उलझने लगे और उस वक्तत उसपर चाकू से हमला कर दिया, गले पर धारदार हथियार से हमला किया जिससे उसके गले पर कई टाँके आए है,प्रमोद के साथ उसका भाई सरोज भी शामिल था। इसके साथ उसको जान से मारने की कोशिश करने लगे जैसे तैसे करके उसने अपनी जान बचाई।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

असीगंगा व गंगा भागीरथी के संगम तट गंगोरी में चलाया स्वच्छता अभियान

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। नववर्ष के पहले दिन गंगा विचार मंच उत्तराखण्ड के कार्यकर्ताओं ने मां गंगा जी के मायके उत्तरकाशी में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ असीगंगा और गंगा भागीरथी के संगमबी तट गंगोरी में स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान में राजकीय आदर्श कीर्ति इंटर कॉलेज उत्तरकाशी के 40 छात्र छात्राओं, अध्यापकों ओर गंगा विचार मंच के कार्यकर्ताओं को गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक लोकेंद्र सिंह बिष्ट ने सभी को गंगा शपथ दिलवाई।

गंगा विचार मंच के प्रांत संयोजक ने सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के 40 छात्र छात्राओं को नमामि गंगे की तरफ से 40 टी शर्ट वा अध्यापकों वा कर्मचारियों व गंगा विचार मंच के कार्यकर्ताओं व पत्रकारों को पी कैप भेंट की। आज के गंगा स्वच्छता अभियान में प्रधानाचार्य अतोल सिंह महर, कार्यक्रम अधिकारी सुनील सेमवाल, सहायक अध्यापक मोहन लाल भट्ट कर्मचारी शीशपाल रावत , एनएसएस कैंप के साथ 7 कैम्प कमांडर सूरज, कुमारी तमन्ना, रामदेव , मनीष तिवारी, अंशिका पंवार, हरीश रावत और हरिओम असवाल सहित गंगा विचार मंच के जिला संयोजक जयप्रकाश भट्ट, पत्रकार दिग्वीर बिष्ट, विनीत काउंसवाल, अजय कुमार, सूर्यप्रकाश आदि शामिल रहे।

आंग्ल नववर्ष पर हुआ 17वां सामूहिक संगीतमय सुंदरकांड पाठ व भंडारे का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। विश्व शांति, देश के चहुंमुखी विकास और देवभूमि उत्तराखंड की सुख शांति और समृद्धि की मंगल कामना के साथ आज पौराणिक श्री टपकेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में पण्डित कमल जोशी और मण्डली द्वारा आंग्ल नववर्ष के पावन अवसर पर 17वां सामूहिक संगीतमय सुन्दर काण्ड का पाठ, भजन कीर्तन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

योगाचार्य डॉ. बिपिन जोशी ने उपास्थित सैकड़ों श्रद्धालु, भक्तों से 22 जनवरी को अपने घरों में राम नाम के दीप जलाने के साथ साथ मन्दिरों, सार्वजनिक स्थलों में सामुहिक हनुमान चालीसा पाठ, भजन कीर्तन, सुन्दर काण्ड पाठ, अखंड रामायण पाठ आदि करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा 550

साल के संघर्ष के बाद लाखों राम भक्तों के बलिदान और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद यह शुभ घड़ी हिन्दू समाज को प्राप्त हुई है। इस अवसर पर पण्डित कमल जोशी के सुमधुर भजनों के माध्यम से सभी भक्त झूम उठे और नृत्य करने लगे। बाल तबला वादक निकुंज ध्यानी का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में महंत कृष्ण गिरी जी महाराज, पुजारी भरत गिरी जी महाराज, माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य डा0 बिपिन जोशी, डा0 मथुरा दत्त जोशी, ढोलक पर पवन शाह, तबले पर निकुंज ध्यानी, पेड़ पर जितेन्द्र पैन्यूली, बांसुरी पर ध्यानी, की बोर्ड पर रजनीश थपलियाल, गिटार पर ऋषभ, वायलिन पर महेश ढोढीयाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

एक नजर

भीषण सड़क हादसे में कार में सवार 6 दोस्तों की मौत

जमशेदपुर। झारखंड के जमशेदपुर से नए साल के पहले दिन ही बुरी खबर सामने आई है। एक भीषण सड़क हादसे में 6 दोस्तों की मौत हो गई। घटना बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के सर्किट हाउस एरिया इलाके में गोल चक्कर के पास हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार पहले डिवाइडर से टकराई और फिर पेड़ से टकरा कर पलट गई। इस दुर्घटना में कार में सवार 6 युवकों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की उसकी आवाज दूर-दूर तक सुनी गई और उसे सुनकर पास के लोग घर से बाहर निकले। स्थानीय लोगों ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायलों को बाहर निकाला। बताया जा रहा है की नए साल का जश्न मना कर होटल से लौटते वक्त यह घटना घटी है। सभी 6 मृतक आरआईटी थाना क्षेत्र के कुलुप्तांगा के रहने वाले थे। वहीं इस घटना में घायल हुए रविशंकर के पिता सुनील झा ने बताया कि इस हादसे में 6 युवकों की मौत हो गई लेकिन उनका बेटा ठीक है। बताया जा रहा है कि जिस गाड़ी के साथ ये हादसा हुआ है उसमें कुल 8 लोग सवार थे। इसमें से 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 2 युवकों की जान बच गई। उन्होंने कहा कि सभी युवक बाबा आश्रम इलाके के रहने वाले थे।

योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं

लखनऊ । नववर्ष के पहले दिन कड़ाके की ठंड के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में पहुंचे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान का भरोसा दिया। आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होगी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि हर पीड़ित की समस्या पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए। इसमें कोई लापरवाही नहीं चलेगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान नए साल के पहले दिन सोमवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रतिकूल मौसम को देखते हुए इस बार जनता दर्शन का आयोजन मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में किया गया। यहां कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक-एक फरियादी से मिले। जनता दर्शन में एक महिला ने दबंग द्वारा मारे-पीटे जाने की पीड़ा बताई तो मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया।

हमने जो रास्ता चुना है, उसके लिए जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए: केजरीवाल

नई दिल्ली दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उनकी पार्टी ने अपनी ष्कार्य-केंद्रित राजनीतिष् के लिए लोकप्रियता हासिल की है और कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता की भलाई के लिए हमने जो रास्ता चुना है, उसके लिए जेल जाने के लिए तैयार रहना चाहिए। साल के आखिरी दिन 31 दिसंबर को वर्चुअल तरीके से आयोजित पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी और 12वीं राष्ट्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीएम अरविंद केजरीवाल ने ये बातें कही हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, ष्इन 10 सालों में आम आदमी पार्टी 1,350 राजनीतिक दलों के बीच तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। अगर हम सफल नहीं होते और कुछ अच्छा नहीं करते तो हमारी पार्टी का कोई भी नेता जेल नहीं जाता और आज हर कोई अपने परिवार के साथ खुश होता। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, मुझे लगता है कि हम संघर्ष का सामना कर रहे हैं, हमें दुखी होने की कोई जरूरत नहीं है। हमारे पांच नेता जो आज जेल में हैं, वे हमारे नायक हैं। हमें उन सभी पर बहुत गर्व है। मैं लगातार वकीलों के संपर्क में हूं। यह एक बहुत अच्छी बात है कि जेल में रहते हुए भी हमारे सभी नेताओं के हौसले अभी भी बुलंद हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दो प्रमुख पार्टियों ने इस देश पर 75 वर्षों तक शासन किया है और ये लोग इतनी आसानी से सत्ता नहीं छोड़ेंगे।

14 पर गैंगस्टर और 47 के खिलाफ हुई गुंडा अधिनियम के तहत कार्रवाई

संवाददाता

हरिद्वार। नये साल पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल के नेतृत्व में जनपद पुलिस ने 14 पर गैंगस्टर व 47 के खिलाफ गुंडा अधिनियम के तहत मुकदमें दर्ज कर बदमाशों को नये साल का तोहफा दिया।

जनपद में अपने आगमन के बाद से ही कानूनी मामलों में एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल हमेशा से बेहद सख्त रहे हैं। आज नववर्ष में जहां पूरा देश एक दूसरे को बधाइयां देने में व्यस्त है तो वहीं कुछ दिन पहले से कुख्यात अपराधियों पर नकेल कसने को प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा नए साल के पहले दिन ही अचानक की गई यह सर्जिकल स्ट्राइक नींद से जागे आदतन अपराधियों के लिए एक बुरे सपने की तरह साबित हुई साथ ही सभी को एक परोक्ष चेतावनी भी है कि सुधरे नहीं तो कानून की किताब, सुधारने के और भी तरीके जानती है। जनपद में सक्रिय विभिन्न गैंग के चिन्हिकरण एवं उनके विरुद्ध कार्यवाही के संबंध में एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा दिए गए स्पष्ट एवं कड़े दिशा-निर्देश के क्रम में कोतवाली नगर हरिद्वार में गैंग लीडर दीपक उर्फ गंजा (लूट/डकैती), कोतवाली ज्वालापुर में गैंग लीडर राव जकीउल्लाह

(वाहन चोर), कोतवाली रानीपुर से गैंग लीडर विशाल उर्फ फुकरा (चोरी/नकबजनी), कोतवाली रुड़की से गैंग लीडर शहजाद (नकबजनी), कोतवाली गंगनहर से गैंग लीडर अमन (वाहन चोर), कोतवाली लक्सर से गैंग लीडर शाह आलम उर्फ भूरा (नशा तस्करी/चोरी), कोतवाली मंगलौर से गैंग लीडर विनीत (लूट), थाना भगवानपुर से गैंग लीडर अभिषेक (वाहन चोरी), थाना श्यामपुर से गैंग लीडर हुकुम सिंह (चोरी), थाना बहादराबाद से गैंग लीडर कुर्बान (लूट/चोरी), थाना कनखल से गैंग लीडर कुशवाह (अवैध कब्जा), थाना सिड़कुल से गैंग लीडर विशाल (चोरी), थाना झबरेड़ा से गैंग लीडर विशाल (वाहन चोरी) तथा थाना बुग्गावाला से गैंग लीडर जाविद (पशु चोरी) आदि द्वारा संचालित गैंगों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। इस कार्यवाही के दायरे में कुल 14 गैंगों के 45 आरोपी आए हैं। गुंडा एक्ट के तहत पूरे जनपद से कुल 47 आरोपियों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। इस कार्यवाही में कोतवाली नगर हरिद्वार से 5 शराब तस्करों, कोतवाली ज्वालापुर से 2 शराब माफिया/सटोरियों, कोतवाली रानीपुर से 2 शराब तस्कर, कोतवाली रुड़की से 3 चोर/शराब तस्कर, कोतवाली लक्सर से 5 नशा तस्कर, कोतवाली मंगलौर से 2 शराब तस्कर, थाना कनखल से 3 शराब तस्कर, थाना सिड़कुल से 2 वाहन चोर, थाना बहादराबाद से 5 वाहन चोर, थाना कलियर से 4 पशु तस्कर, थाना पथरी से 4 शराब तस्कर, थाना खानपुर से 2 शराब तस्कर, थाना झबरेड़ा से मारपीट के आदतन 2, थाना भगवानपुर से 5 शराब तस्कर/वाहन चोर व थाना बुग्गावाला से 1 चोर सम्मिलित हैं। यह लोग संगठित होकर अपराध को अंजाम देते हैं। अपराध करने का इनका मुख्य मकसद समाज में दहशत फैलाते हुए अपनी आजीविका चलाना है। जैसे अन्य लोग काम कर अपनी जरूरतें पूरी करते हैं, उसी तरह यह लोग समूह में अपराध कर अपना जीवनयापन करते हैं।

चोरी की स्कूटी के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 दिसम्बर को बनियावाला आर्केडिया ग्रान्ट निवासी अर्चना पंवार ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराया कि उसके द्वारा अपनी स्कूटी को बुद्धा टेंपल जाने वाले रास्ते पर खडा किया था। थोडी देर बाद वह वापस आयी तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के 67 सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। सीसीटीवी कैमरों के अवलोकन में एक व्यक्ति उक्त स्कूटी को चोरी कर ले जाते हुए दिखायी दिया जिस पर घटनास्थल के आसपास किये गये सत्यापन में उक्त हुलिये के व्यक्तियों के सम्बन्ध में पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी मिली तथा जिसके बाद गत दिवस पुलिस ने चोरी की स्कूटी के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में उसने अपने नाम शुभम उर्फ सोलू पुत्र प्रवीण कुमार निवासी ग्राम बघेदी घोगू थाना फतेहपुर व सतीश कुमार उर्फ परले पुत्र बृजपाल निवासी बढेदी घोगू फतेहपुर जिला सहारनपुर बताया। पुलिस के अनुसार यह दोनों पूर्व में हरिद्वार से वाहन चोरी के मामले में जेल जा चुके हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

भाजपा नेता ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। भाजपा के पूर्व मंडल उपाध्यक्ष व वर्तमान के भेल संविदाकर्मी ने देर रात खुद को गोली मार कर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

घटना ज्वालापुर के पूर्वीनाथ नगर इलाके की है। जानकारी के अनुसार पेशे से भेल के संविदा कर्मी विजयंत चौधरी पुत्र जसवंत चौधरी ने बीती रात पहले लाइसेंसी पिस्टल से दो राउंड हवाई फायरिंग की। जिसके बाद उन्होने खुद को गोली मार ली। क्षेत्र में अचानक गोलियों की आवाज सुनकर कॉलोनी में सनसनी फैल गई। परिजनों व आस पड़ोस के लोगों द्वारा उन्हे लहूलुहान हालत में

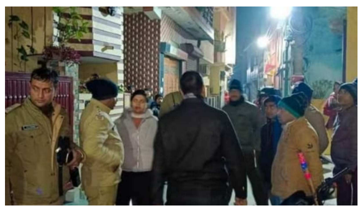

अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा उन्हे मृत घोषित कर दिया गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि मौके पर पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। सुबह तक पुलिस मामले की छानबीन में जुटी थी। विजयंत चौधरी मोदी ऐप के जिला संयोजक भी थे। सीओ निहारिका सेमवाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है। प्रथम दृष्टया लेनदेन की वजह से विजयंत चौधरी के परेशान चलने की बात सामने आई है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

कार की टक्कर से मोटरसाईकिल सवार की मौत

देहरादून (सं)। कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासनगर निवासी शुभम अपनी मोटरसाईकिल से मसूरी की तरफ जा रहा था जब वह मैक्स अस्पताल के पास पहुंचा तभी तेज गति से आ रही कार ने उसको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।